सूफी आंदोलन

- 15th lecture by

Mamta Rani
[History Depart.]
SNSRKS COLLEGE,
SAHARSA.

~~20~~- 19-04-2020.

Scanned with CamScanner

सूफी आन्दोलन

→ मध्यकाल में हिन्दू धर्म के लोगो ने जिस प्रकार भक्ति आंदोलन को चलाया उसी प्रकार समाज और धर्म के क्षेत्र में सुधार के लिए इस्लाम धर्म के सुधारको ने जो चलाया आंदोलन चलाया, उसे सूफी आंदोलन कहा गया।

→ इस समय 12 प्रकार के सूफी सम्प्रदाय या सिलसिला प्रचलन मे थे, जिसमें चिश्ती और सुहरवर्दी सबसे अधिक लोकप्रिय हो गये।

→ यह लोग समाँ और रक्श (नृत्य एवं संगीत) के माध्यम से अपने मतो का प्रचार-प्रसार करते थे।

कुछ प्रमुख सिलसिला / सम्प्रदाय :-

सम्प्रदाय	संस्थापक
चिश्ती सम्प्रदाय	मोईनुद्दीन चिश्ती
सुहरवर्दी सम्प्रदाय	शेख शिहाबुद्दीन सुहरवर्दी
कादिरी सम्प्रदाय	अब्दुलकादिर जिलानी
सतारी सम्प्रदाय	अब्दुला सतारी
फिरदौसी सम्प्रदाय	शेख बदरुद्दीन समरकंदी
नक्शबंदी सम्प्रदाय	उबेदुल्लाह
रोशानियाँ सम्प्रदाय	बयाजिद
नर्दाबि सम्प्रदाय	बाबा नरुद्दीन

(1) ⇒ चिश्ती सम्प्रदाय :-

यह सबसे लोकप्रिय सम्प्रदाय था। इस सम्प्रदाय के लोग धन-संपत्ति और किसी भी प्रकार के पद को ग्रहण नहीं करते थे। मोईनुद्दीन चिश्ती इस सम्प्रदाय के प्रवर्तक थे। इसने अजमेर को अपना केन्द्र बनाया।

- मोइनुद्दीन चिश्ती मुहम्मद गौरी के साथ भारत आये थे।
- इनके मकबरे का निर्माण अजमेर में इल्तुतमिश के द्वारा सम्पन्न कराया गया था।

⇒ शेख - ख्वाजा - कुतुबुद्दीन - बख्तियार - काकी :-
यह मोईनुद्दीन चिश्ती के शिष्य थे।
- इन्हीं की स्मृति में कुतुबमीनार का निर्माण कराया गया। इनको शेख - उल - इस्लाम का पद दिया गया परंतु इन्होंने लेने से मना कर दिया।

⇒ शेख - ख्वाजा - फरीदुद्दीन - गंज - ए - शकर/ बाबा फरीद :—
यह काकी के शिष्य थे। इन्होंने पंजाब को अपना कर्मस्थली बनाया। यह प्रथम संत थे जिन्होंने पंजाबी भाषा में उपदेश दिया। इसलिए इसे पंजाब का संत कहा गया है। इनका उपदेश आदि - ग्रंथ में शामिल है।

⇒ निजामुद्दीन औलिया →
यह बाबा फरीद के शिष्य थे। यह सबसे लोकप्रिय चिश्ती संत थे। यह प्रथम सूफी संत थे जिन्होंने इस सम्प्रदाय में योग क्रिया को अपनाया। जैसे - प्राणायाम, अनुलोम - विलोम, आदि इसलिए इसको यौगिक बाबा भी कहा गया है।
- मुहम्मद बिन तुगलक ने दिल्ली में इनका मकबरा बनवाया था। इन्होंने अपनी कार्यस्थली भी दिल्ली को बनाया और इनके बहुत सारे प्रिय शिष्य थे। इन्होंने गयासुद्दीन तुगलक के संदर्भ में कहा था-
"दिल्ली अभी दूर है।"

Scanned with CamScanner

- निजामुद्दीन औलिया के शिष्य शेख बुरहानुद्दीन गरीब ने इस आंदोलन को उत्तर भारत से दक्षिण भारत में ले जाकर प्रचार-प्रसार किया।
- नासिरुद्दीन महमूद को चिराग-ए-दिल्ली तथा मु० गेसुदराज को बंदानवाज कहा गया है।

(ii) सुहरवर्दी संप्रदाय :→
चिश्ती सम्प्रदाय के बाद यह दूसरा सबसे लोकप्रिय संप्रदाय था। इस संप्रदाय के लोग धन संपत्ति के साथ पद भी ग्रहण करते थे। इनका मुख्य केन्द्र सिंध और मुलतान था। इनको लोकप्रिय बनाने का कार्य बहाउद्दीन जकारिया ने किया था। इन्होंने शेख-उल-इस्लाम का पद ग्रहण कर लिया।

(iii) सतारी संप्रदाय :-
शेख अब्दुल्ला सतारी ने इसकी स्थापना किया। बिहार इसका मुख्य केन्द्र था।

(iv) कादिरी संप्रदाय :-
इसकी स्थापना अब्दुल कादिर जिलानी ने किया था। भारत में इसको लोकप्रिय बनाने का कार्य मुहम्मद गौस ने किया था। मुगल राजकुमार दारा शिकोह भी इसी संप्रदाय के थे, जिनके गुरु का नाम मियाँमीर था।

(v) फिरदौसी संप्रदाय :-
इसके प्रवर्तक उबैदुल्ला थे। इस सम्प्रदाय के लोग नक्शा बनाकर चित्र को तैयार करते थे। इसलिए नक्शबंदी नाम पड़ गया। भारत में इसको लोकप्रिय बनाने का काम बाकी-बिल्लाह ने किया था। इसी संप्रदाय के शेख अहमद सरहिन्दी भी थे, जिनको मुजतिद (धर्म सुधारक) कहा गया है।

Scanned with CamScanner

- इन्होंने अकबर की धार्मिक नीतियों की आलोचना किया था। इसलिए जहाँगीर ने इनको कैदखाने में डाल दिया।

(vi) रौशनिया सम्प्रदाय :-

इसके प्रवर्तक शेख बयाजिद थे। समाज और धर्म के क्षेत्र में सुधार करना इनका मुख्य उद्देश्य था।

(vii) ऋषि सम्प्रदाय :-

यह कश्मीर के क्षेत्र में लोकप्रिय था। आज भी दरगाह सुरक्षित रूप में अवस्थित है।

इस प्रकार सूफी आंदोलन ने समाज और धर्म के साथ-साथ भक्ति आंदोलन को भी प्रभावित किया साथ ही भक्ति आंदोलन से प्रभावित भी हुआ।

—: कुछ प्रमुख शब्दावली :—

शब्दावली	अर्थ
पीर	गुरु
मुरीद	शिष्य
वलि	उत्तराधिकारी
खानकाह	मठ / आश्रम / दरगाह

=*=

Scanned with CamScanner